

सेवामें,

के खाता संख्या 223 में गमैरी पत्नी नाना दर्ज रेकार्डों  
 जबकि खाता संख्या 262, 263 एवं 264 में गमैरी पत्नी  
 का नाम दर्ज किया गया है जिससे कि राजस्व रेकार्डों में  
 भी नाना ही नामों से प्रतीता अन्वर्त चारा 126 के  
 तहत खाता संख्या 262, 263 व 264 में गमैरी पत्नी का  
 नाम दर्ज होना वैसा किया गया। प्रत्यक्ष प्रतीता पत्र  
 को शीकर निपटरी अधिासी वल्लीचंदर कुंजाल  
 से उत्तम प्राप्त किया गया। वल्लीचंदर कुंजाल ने  
 अपने पत्र संख्या 1/राजस्व/2024/244 दिनांक 1.7.2024  
 के द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत कर अवगत कराया कि मौजा  
 मिलौदा के खाता संख्या 223 में वहीत अनाजियत में  
 दर्ज गमैरी पत्नी नाना दर्ज है जो सही है। खाता  
 संख्या 262, 263, 264 में वहीत नाम में दर्ज  
 गमैरी पत्नी देवा दर्ज हो रहा है जो गलत है।  
 एनी ही खातों में गमैरी पत्नी का नाम दर्ज करने  
 की रिपोर्ट प्रेषित की गई है। इस सम्बन्ध में  
 पत्रावली का एवं सीलम दरवाजों एवं राजस्व रेकार्डों  
 का अन्वेषण किया गया। अन्वेषण करने पर पाया  
 कि मौजा मिलौदा के खाता संख्या 223 में गमैरी पत्नी  
 नाना दर्ज है तथा खाता संख्या 262, 263 व 264 में  
 गमैरी पत्नी देवा दर्ज रेकार्डों है। जबकि प्रतीता  
 के अन्वेषण पीछे पहला पत्र एवं आधार कार्ड में  
 गमैरी पत्नी का नाम अंकित है। खाता संख्या 262, 263  
 व 264 में प्रतीता का नाम गमैरी पत्नी देवा सखत  
 से दर्ज हुआ है जिसके राजस्व एवं अन्य दरवाजों  
 में एक कपरा नहीं होने के कारण प्रतीता को सरकारी  
 प्रमाणों आदि का लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रतीता  
 के खाता संख्या 262, 263 व 264 में गमैरी पत्नी का  
 नाम दर्ज किया जाना उचित पाया जाते है। प्रतीता का  
 प्रतीता पत्र को स्वीकार किया जाता है। तथा  
 मिलौदा के खाता संख्या 262, 263 व 264 में  
 सुधारने का दिशा जारी है। निधि अनुभाग  
 प्रमुख के साथ कुंजाल के नाम से है।

नी अ  
 म  
 9-10-24

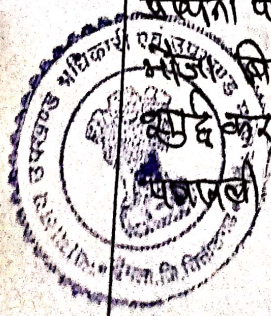
गमैरी पत्नी नाना  
 चितौड़गढ़ राज.

1. श्री नारायण पिता
2. श्री भागचंद पिता
3. श्री रामलाल पिता
4. श्री नन्दलाल उर्फ
5. श्री उँकारलाल पि
6. श्रीमती कुशवा पु
7. श्रीमती देउबाई
8. श्री दोला पिता
9. श्रीमती नंदुबाई
10. श्री नंदलाल पि
11. श्री नारायणला
12. श्री बाबुलाल पि
13. श्री बालु पिता
14. श्री भेरुलाल
15. श्रीमती भूरी
16. श्रीमती मोडी
17. श्री मोहनला
18. श्री राधेश्याम
19. श्री शोमाल
20. श्री राजस्थ

महोदयजी,

प्रार्थीय

1. यह
- उसकी ख
- किता 1
- 3880 हे.
- सं. 263
- खाते द



उपखण्ड अधिकारी  
 इंगला

